

DATE :- 07-10-2026

RAJASTHAN PATRIKA, PAGE-04, SURAT

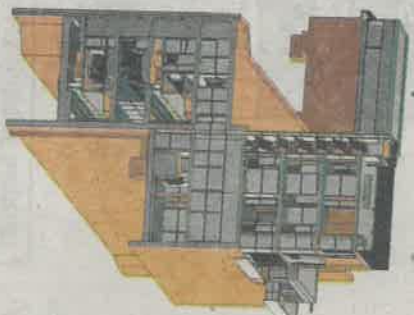
मस्कती व लाभेश्वर में बने देश के पहले स्टीव्ड स्टेशन, इंदिरियर में दिखेगी 'डायमंड फेसिट्स' की झलक स्मार्ट सिटी सूरत में दौड़ेगी मेट्रो, 110 फीट गाहराई में एक-दूसरे के ऊपर-नीचे चलेंगी ट्रेनें



पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patnaka.com

सूरत, तामी नदी के तट पर बसी और विश्वभर में मिल्क सिटी व डायमंड सिटी के रूप में अपनी अमिट पहचान बना चुकी सूरत नगरी के सांख्यिक परिवहन इतिहास में एक नया स्वर्णिम अध्याय जुड़ने जा रहा है। सूरत मेट्रो रेल परियोजना का निर्माण कार्य अब तेजी से अपने आगे और व्यावहारिक चरण की ओर अग्रसर हो गया है। कोलकाता स्थित टेटागढ़ रेल कोच फैक्ट्री से सूरत मेट्रो का दूसरा 3-कोच वाला आधुनिक ट्रेन सेट खजोद स्थित इम सिटी डिपो पहुंच चुका है। इससे पूर्व 19 मार्च को पहला ट्रेन सेट यहां लाया गया था। परियोजना के तहत कुल 72 ट्रेन सेट सूरत लाए जाने हैं। दूसरा ट्रेन सेट आने के बाद अब आने वाले दो महीनों में अग और डाउन दोनों लाइनों पर एक साथ दो मेट्रो ट्रेनों को चलाकर आधिकारिक और पूर्ण सर्विस टायल शुरू करने की व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं।

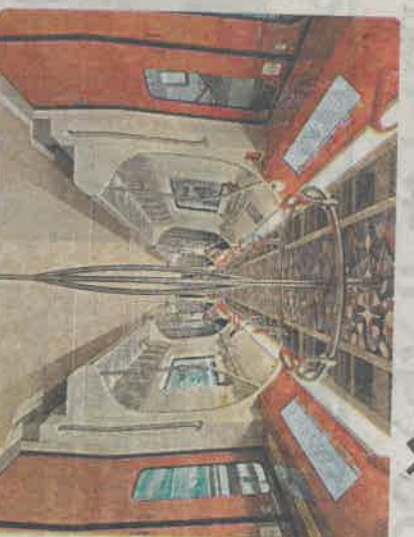
सूरत के अत्यंत घने और ऐतिहासिक व्यापारिक इलाकों में शामिल मस्कती अस्पताल और लाभेश्वर क्षेत्र में भूमिगत निर्माण करना बेहद चुनौतीपूर्ण था। इस चुनौती से निपटने के लिए भारतीय सिविल इंजीनियरिंग के इतिहास में पहली बार जमीन से लगभग 110 फीट की गहराई में देश के पहले दो स्टीव्ड मेट्रो स्टेशन निर्मित किए गए हैं। अत्यधिक घनी आबादी और जगह की अनुपलब्धता के कारण यहां पारंपरिक रूप से समानांतर (आल-बाय) ट्रैक बनाने के बजाय दो मजिला टनल बनाई गई है, जहां अग और डाउन लाइन की ट्रेनें एक-दूसरे के ऊपर और नीचे से होकर गुजरेंगी। इतना ही नहीं, सूरत की वैश्विक पहचान को सम्मान देने के लिए मेट्रो के इंदिरियर,



देश के पहले स्टीव्ड स्टेशन का मॉडल।



दूसरा ट्रेन सेट पहुंचा सूरत।



रीसे के विभिन्न कट्स वाले डिब्बे।

पर्यावरण, हरित विकास और ऐतिहासिक धरोहर का अद्भुत संगम

यह महात्वाकांक्षी परियोजना केवल अत्याधुनिक तकनीक और खपार तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें भारतीय संस्कृति, संवेदशीलता और प्रकृति संरक्षण का भी पूरा ध्यान रखा गया है। अज्ञात गांव में स्थित 700 वर्ष से भी अधिक प्राचीन और ऐतिहासिक 'चोर आमली' वृक्ष को कटने से सुरक्षित रखने के लिए मेट्रो प्रशासन ने पूरे रूट का अलाइनमेंट ही बदल दिया। इसके अलावा, मेट्रो के सभी 6 अंडरग्राउंड स्टेशनों को 'ग्रीन ग्रीन थिंकिंग' काउंसिल (आईजीबीसी) के ग्रीन मानकों के अनुरूप ढाला गया है। वहीं, खजोद के 20 हेक्टेयर विशाल क्षेत्र में फैले इम सिटी डिपो परिसर में पर्यावरण संतुलन बनाए रखने हेतु 3,000 से अधिक पेड़े रोपे गए हैं।



सूरत में 700 वर्ष से भी अधिक प्राचीन और ऐतिहासिक 'चोर आमली' वृक्ष।

जल्द शुरू होगा संयुक्त ट्रायल

दूसरे ट्रेन सेट के सूरत पहुंचने के साथ ही इम सिटी डिपो में तकनीकी जांच, ब्रेक टेस्टिंग और सेफ्टी ड्रेसवर्क का काम तेज कर दिया गया है। आगामी दो महीनों के भीतर अग और डाउन लाइन पर एक साथ दो मेट्रो ट्रेनों को चलाने का संयुक्त सर्विस ट्रायल शुरू किया जाएगा। यह गोजेक्ट सूरत के नागरिकों को एक सुरक्षित, आधुनिक और ग्रीन ट्रांसपोर्ट सिस्टम प्रदान करेगा। मेट्रो परियोजना प्रबंधन, सूरत

एलिवेशन और सीलिंग में 'डायमंड' पर आधारित आकर्षक और थैमेटिक पहलू बार किसी मेट्रो में देखने को फेसिट्स (रीसे के विभिन्न कट्स) डिजाइन उकेरी गई है, जो देश में मिलेगी।

स्मार्ट मेट्रो एक नजर में

- कुल कोच व ट्रेन सेट: कुल 72 ट्रेन सेट (प्रत्येक में 3 कोच) में से 2 सेट सूरत पहुंचे जाय प्रकिया जारी।
- 750वीं डीसी वर्ड रेल सिस्टम: ओवरहेड तारों के स्थान पर पटरियों के पास से बिजली आपूर्ति, आंधी-जफान में भी सेवा रहेगी पूरी तरह से ग्राधारहित।
- मजुरागेट इंटरवेंज डब: कोरिडोर-1 और कोरिडोर-2 को आपस में जोड़ने वाला सूरत का पहला इंटरवेंज स्टेशन।
- स्टील गार्डर का नया रिकॉर्ड: सारोली व रघुकुल मार्केट में 81.0 टन स्टील से 85 मीटर लंबा 'ओपन वेब गार्डर' स्थापित।
- आधुनिक डिपो सुविधा: इम सिटी डिपो में 24 ट्रेनों की स्टैबलिंग क्षमता के साथ मॉटेनेंस व वॉशिंग शेड तैयार।
- महटी-मॉडल नेटवर्क: रेलवे स्टेशन, सिटी बस व जीएसआरटीसी को एक ही छत के नीचे लाकर सफर को बनाया जाएगा सुगम।